

[illegible]

पूजा सरवहि स्नात तिलावय रुदन दिघान त न के नावय ॥३॥ नृपज
गङ्गाति स्नात न्द गवय गित स वात य न म प द पावय ॥४॥ ॥१३३॥
धनायी ॥ वा ॥ जे स स्नात ति कृष्ण उमा ति वक्त्र च वल धुन सि व प ग धान
॥५॥ सरु स मि नि रवा न वि षा मि धान वक्त्र जा ति ता हा रु व जि हा न ॥ ॥ ॥
जा हा सा न द नान द म नि गवय उध वय कृ न ता हा व न व जा वय ॥२॥
गी गङ्गा जल य रु स रु न सा ता च न न प रवा नि व कं च न वा ता ॥३॥ नाम दे व या
प म य दा स उ मा ला स्ना वा ग म न नि वा न रु मा ला ॥४॥ ॥१३४॥